University in News on 09 November 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मछली पालन की एक हजार साल पुरानी विधि पढ़ेंगे छात्र

लविवि के जंतु विज्ञान विभाग में शुरू होगा ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब एक हजार साल पुरानी मछली पालन की विधि पॉलीकल्चर की पढ़ाई कराई जाएगी। इसके लिए जंतु विज्ञान विभाग ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगा। चार क्रेडिट का यह शॉर्टटर्म कोर्स 60 घंटे का होगा।

एप्लाइड फिशरी में सर्टिफिकेट कोर्स के तहत विद्यार्थियों को तालाब संस्कृति और प्रबंधन के बारे में सिखाया जाएगा। जंतु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि ताजे पानी के तालाब में मछली पालन एशियाई देशों खासकर भारत और उसके उपमहाद्वीप की संभावित खाद्य प्रणाली है।

पॉलीकल्चर विधि में तालाब में शाकाहारी मछलियों की अधिक से अधिक प्रजातियों को पाला जाता है। इसका उद्देश्य अधिकतम उत्पादन के लिए तालाब के विभिन्न भागों का इस्तेमाल करना है।

पॉलीकल्चर मछली पालन की एक हजार से भी अधिक पुरानी विधि है। इसकी शुरुआत चीन से मानी जाती है। वहां से यह दक्षिण पूर्व एशिया और फिर दुनिया के अन्य हिस्सों तक पहुंची। पॉलीकल्चर सिस्टम में प्रति हेक्टेयर 800 किलो तक मछली उत्पादन किया जा सकता है। स्वरोजगार और आर्थिक उद्यमिता के लिए पॉलीकल्चर विधि बेहद लाभदायक है। लविवि में इसकी पढ़ाई होगी।

60 घंटे का होगा चार क्रेडिट का शॉर्टटर्म कोर्स

छह हजार रुपये होगी ऑनलाइन कोर्स की फीस

प्रवेश लेने के लिए अर्हता

ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश के लिए विद्यार्थी को यूजीसी से अनुमोदित विश्वविद्यालय से डिग्री धारक होना अनिवार्य है। कोर्स की फीस छह हजार रुपये है। यह कोर्स करने के बाद विद्यार्थी मत्स्य विस्तार अधिकारी, मत्स्य प्रबंधक, मत्स्य अधिकारी, मत्स्य पर्यवेक्षक, मत्स्य तकनीशियन, जिला मत्स्य विकास अधिकारी, क्षेत्रीय प्रबंधक, संबंध सहायक प्रबंधक, क्षेत्रीय विपणन और बिक्री सहायक प्रबंधक पद के लिए आवेदक कर सकेंगे। राज्य मत्स्य विभाग, अनुसंधान संगठन, कृषि विश्वविद्यालय, जलीय कृषि विज्ञान संस्थान में इन पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन निकलते हैं।

DAINIK JAGRAN PAGE 3

पांच विश्वविद्यालय करेंगे परिषदीय स्कूलों का सोशल आडिट

विद्यार्थियों की उपस्थिति व मिल रहीं सुविधाओं का करेंगे सर्वे रिपोर्ट के आधार पर तैयार होगी नई कार्ययोजना

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों का सोशल आडिट कराया जाएगा। पांच विश्वविद्यालयों को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। विद्यालयों में छात्रों की 80 प्रतिशत उपस्थिति है या नहीं, विद्यार्थियों की स्कूल तक पहुंच, बच्चों का दाखिला उपयुक्त आयु में हुआ, कितने विद्यार्थियों ने बीच में पढ़ाई छोड़ दी और स्कूलों में उपलब्ध संसाधनों का लेखा-जोखा इसमें लिया जाएगा। सोशल आडिट की रिपोर्ट के आधार पर नई योजनाएं बनाई जाएंगी और चल रहीं योजनाओं में जरूरत के अनुसार बदलाव होगा।

प्रदेश में कुल 133601 परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूल हैं। इनमें से 20 प्रतिशत विद्यालयों का नमूने के तौर पर जल्द सोशल आडिट कर स्थिति का आंकलन किया जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय को 20 जिलों के 6703 स्कूलों, इंटीग्रल विश्वविद्यालय लखनऊ को 14 जिलों के 6436 विद्यालयों, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर को 16 जिलों के 5998 स्कूलों, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर को सात जिलों के 2892 स्कूलों और स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ को 18 जिलों के 4703 स्कूलों का सोशल आडिट करने की जिम्मेदारी दी गई है। सभी विश्वविद्यालयों को उनके आसपास के जिलों की जिम्मेदारी दी गई है।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की ओर से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जिन पांच विश्वविद्यालयों से समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया है, उनके नामित प्रतिनिधियों को सोशल आडिट में पूरी मदद करें। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से समाजकार्य विभाग के प्रोफेसर डा. अनूप भारती, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर की ओर से समाजशास्त्र विभाग के प्रोफेसर डा. अनुराग द्विवेदी, इंटीग्रल विश्वविद्यालय लखनऊ की ओर से भाषा विभाग के प्रोफेसर डा. एचएम आरिफ व डा. ए नाजनीन व स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ की ओर से शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनीज राज को प्रतिनिधि नामित किया गया है। अब यह अपने-अपने स्तर पर टीमें गठित कर विद्यालयों का सोशल आडिट करेंगे।

उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण खबरें www.jagran.com पर पढ़ें

प्रतियोगी छात्रों ने मांगी एलटी और प्रवक्ता जीआइसी भर्ती

- प्रतियोगी छात्रों ने की ओवरएज छात्रों के लिए आयुसीमा में पांच वर्ष छूट की मांग

राज्य ब्यूरो, जागरण, प्रयागराज: प्रतियोगी छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष को संबोधित आठ बिंदुओं पर आधारित ज्ञापन दिया। इसमें एलटी जीआइसी, प्रवक्ता जीआइसी और अन्य शैक्षिक पदों के नए विज्ञापन जारी करने की मांग की गई है। यह मुद्दा इस समय इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले कई वर्षों से इन विज्ञापनों के जारी न होने के कारण हजारों प्रतियोगी छात्र ओवरऐज हो रहे हैं। ओवरऐज हो चुके छात्रों को आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट देने की मांग की गई है।

प्रतिनिधिमंडल के शीतला प्रसाद ओझा ने बताया कि छह वर्ष से भर्ती नहीं आने से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी ओवरएज होने से आवेदन की योग्यता खो चुके हैं। उनके अनुसार, एलटी जीआइसी के लिए विज्ञापन छह साल पहले और प्रवक्ता जीआइसी के लिए तीन साल पहले जारी हुआ था। जिस तरह पुलिस भर्ती में आयु में छूट दी गई थी, उसी तरह इसमें दिए जाने की मांग की गई है। इस संदर्भ में ईडब्ल्यूएस सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को भी अन्य वर्गों के समान आयु सीमा में छूट दी जानी चाहिए। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी और जीडीसी राजकीय महाविद्यालय के पदों का विज्ञापन करने, 2018 के एलटी जीआइसी के बचे हुए खाली पदों को भरने और डायट प्रवक्ता के पदों का विज्ञापन जल्द जारी किए जाने की भी मांग की गई है।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में ईरगोनॉमिक्स के फायदे बताए गए

लखनऊ। एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) में ईरगोनॉमिक्स : ऑफिस एंड होम पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता अंतरराष्ट्रीय प्रमाणित पिलेट्स ट्रेनर रजनी मांध्यान और मुख्य अतिथि डॉ. अमिताभ रॉय रहे। इन्होंने फिटनेस के घटकों, विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशों, आसन और डोमिनो प्रभाव के बारे में जानकारी दी। ईरगोनॉमिक्स के फायदे बताए।

SWANTANTRA BHARAT PAGE 2

छात्रों को स्वस्थ जीवन के लिए बताए योग आसन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। स्वस्थ जीवन के लिए ईरगोनॉमिक्स-कार्यालय और घर विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन को किया। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) द्वारा आयोजित इस विशेष व्याख्यान का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय एवं प्रो. विनीता काचर, ओएसडी, प्रबंधन विज्ञान संस्थान, लविवि के मार्गदर्शन में किया गया। रजनी मांध्यान, निदेशक, सी-3 फिजियो एवं योग सर्विसेज, प्राकृतिक चिकित्सक एवं योग विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणित पिलेट्स ट्रेनर, आयरलैंड आईएमएस के सेमिनार हॉल में मुख्य वक्ता थीं। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। डॉ.अमिताभ रॉय ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और मोमेंटो भेंट किया। उन्होंने फिटनेस के घटकों, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशानिर्देशों, आसन और डोमिनो प्रभाव, ईरगोनॉमिक्स में कार्य केंद्र आसन, योग की व्यावहारिकता और स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के बारे में बताया। कार्यक्रम में आईएमएस के संकाय सदस्यों और लविवि के नए परिसर में प्रबंधन के छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षित किया गया। छात्रों को स्वस्थ जीवन के लिए योग आसन तकनीकों से अत्यधिक प्रेरित किया गया। गौरतलब है कि ईरगोनॉमिक्स वैज्ञानिक अनुशासन है जो काम के मानवीय डिजाइन के लिए सिद्धांतों, नियमों और तरीकों को विकसित करता है और उन्हें आवेदन के लिए उपलब्ध कराता है।